NCERTENGLISH.IN
LEARN, GROW AND ACHIEVE WITH US

Chapter Birth Summary Class 11

'Birth' is an excerpt from 'The Citadel', a famous novel by A.J. Cronin. It is a story about Andrew Manson, a graduate from medical school, who had just started practicing as an assistant to Dr Edward Page. The young doctor had to fight a tough battle to save the life of a mother and her newborn child.

When Andrew Manson reached his home at Bryngower at midnight, he found Joe Morgan waiting for him at the entrance of his house. Morgan's wife was about to deliver their first child. Manson accompanied Joe to his house at Number 12, Blaina Terrace, even though he felt tired, dull and listless. He had no idea that the night call would prove so momentous in his life.

Joe did not go in with the doctor. Mrs Morgan's mother, an old lady of nearly seventy and an old midwife, waited beside the patient. While waiting, Andrew drank tea. He assured Mrs Morgan's mother that he would not leave till the baby was born. He started thinking about unhappy marriages and what he had seen at Cardiff station. He thought of Bramwell who was foolishly in love with a woman who had deceived him.

Then he thought of Edward Page who was married to a shrewish Blodwen and Denny who was separated from his wife. Andrew wanted a peaceful married life with Christine. His thoughts were interrupted by the old lady who told him not to give the chloroform to her daughter if it harmed the baby. The nurse called him as soon as he had assured the old lady.

At half past three, the child showed signs of arrival, and after an hour the child was born, lifeless. Andrew was horrified. He did not know whether to save the child or the mother, who was in a desperate state. He made a quick decision, gave the child to the nurse, and turned his full attention to the mother. Susan lay collapsed and her pulse was almost gone. He smashed a glass ampule and injected the medicine.

After a few minutes' efforts, the mother revived and her heart started beating. He turned to the child. The frightened nurse had placed it beneath the bed. He pulled out the child, a boy, who was perfectly formed. His warm body was white and soft. The texture of his skin was smooth and tender, but the limbs seemed boneless. Andrew concluded that the whiteness meant lack of oxygen and excess of carbon dioxide in the blood.

He ordered the nurse to bring in hot and cold water in two basins and then immersed the child repeatedly in the two basins one icy, one steaming hot. But the child did not breathe even after 15 minutes. The nurse whimpered that the child is stillborn, but the doctor did not give up. He rubbed the child with a rough towel, crushing and releasing his tiny chest with both his hands. Then, at last, the pigmy chest gave a heave. The child started gasping and crying. Miraculously, the child came to life.

Andrew handed the child to the nurse. He felt weak and dazed. The mother was under the effect of anaesthesia, and the old woman was praying. Andrew Manson moved out and told Joe that both his wife and the child were all right. It was nearly five o'clock as he started walking towards his home. He was filled with a great sense of achievement, having done something real at last.

Chapter Birth Summary Class 11 in Hindi

'बर्थ' ए.जे. क्रोनिन के प्रसिद्ध उपन्यास 'द सिटाडेल' का एक अंश है। । यह मेडिकल स्कूल से स्नातक एंड्रयू मैनसन की कहानी है, जिसने हाल ही में डॉ. एडवर्ड पेज के सहायक के रूप में अभ्यास करना शुरू किया था। एक मां और उसके नवजात बच्चे की जान बचाने के लिए युवा डॉक्टर को कड़ी लड़ाई लड़नी पड़ी।

जब एंड्रयू मैनसन आधी रात को ब्रायनगोवर स्थित अपने घर पहुंचे, तो उन्होंने जो मॉर्गन को अपने घर के प्रवेश द्वार पर उनका इंतजार करते हुए पाया। मॉर्गन की पत्नी अपने पहले बच्चे को जन्म देने वाली थी। मैनसन, मॉर्गन के साथ उसके घर नंबर 12, ब्लैना टेरेस पर गया, वह थका हुआ, सुस्त और सुस्त महसूस कर रहा था। उसे इस बात का अंदाज़ा नहीं था कि आज रात की कॉल उसके जीवन में इतनी महत्वपूर्ण साबित होगी।

जो डॉक्टर के साथ अंदर नहीं गया। श्रीमती मॉर्गन की माँ, लगभग सत्तर साल की एक बूढ़ी महिला और एक बूढ़ी दाई, मरीज के पास इंतज़ार कर रही थी। इंतज़ार करते-करते एंड्रयू ने चाय पी ली। उन्होंने श्रीमती मॉर्गन की माँ को आश्वासन दिया कि वह बच्चे के जन्म तक नहीं जायेंगे। वह दुखी विवाहों और कार्डिफ़ स्टेशन पर जो कुछ उसने देखा था, उसके बारे में सोचने लगा। उसने ब्रैमवेल के बारे में सोचा जो मूर्खतापूर्वक एक महिला से प्यार करता था जिसने उसे धोखा दिया था।

फिर उसने एडवर्ड पेज के बारे में सोचा जिसकी शादी एक धूर्त ब्लोडवेन से हुई थी और डेनी के बारे में जो अपनी पत्नी से अलग हो गया था। एंड्रयू क्रिस्टीन के साथ शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन चाहता था। उनके विचारों को उस बूढ़ी महिला ने बाधित किया जिसने उनसे कहा था कि अगर क्लोरोफॉर्म से बच्चे को नुकसान होता है तो वह उसकी बेटी को क्लोरोफॉर्म न दें।एंड्रयू ने वृद्धा को आश्वासन दिया कि इससे कुछ नही होगा और उसे तभी नर्स ने बुलाया।

साढ़े तीन बजे बच्चे के आने के संकेत मिले और एक घंटे बाद बेजान बच्चे का जन्म हुआ। एंड्रयू भयभीत था. उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह बच्चे को बचाए या माँ को, जो बदहवास हालत में थी। उसने तुरंत निर्णय लिया, बच्चे को नर्स को दे दिया और अपना पूरा ध्यान माँ पर केंद्रित कर दिया। सुज़ैन बेहोश पड़ी थी और उसकी नब्ज लगभग ख़त्म हो गई थी। उसने एक कांच की शीशी तोड़ दी और दवा इंजेक्ट कर दी।

कुछ मिनट की कोशिशों के बाद मां की हालत में सुधार हुआ और उनका दिल धड़कने लगा। वह बच्चे की ओर मुड़ा। भयभीत नर्स ने इसे बिस्तर के नीचे रख दिया था। उसने बच्चे को बाहर निकाला, एक लड़का, जो पूरी तरह से सुगठित था। उसका गरम बदन सफ़ेद और मुलायम था. उसकी त्वचा की बनावट चिकनी और कोमल थी, लेकिन हाथ-पैर हड्डी रहित लग रहे थे। एंड्रयू ने निष्कर्ष निकाला कि सफेदी का मतलब रक्त में ऑक्सीजन की कमी और कार्बन डाइऑक्साइड की अधिकता है।

उसने नर्स को दो बर्तनो में गर्म और ठंडा पानी लाने का आदेश दिया और फिर बच्चे को दोनो बर्तनो में बार-बार डुबोया, एक बर्फीला और एक भाप से भरा गर्म। लेकिन 15 मिनट बाद भी बच्चे ने सांस नहीं ली. नर्स ने रोते हुए कहा कि बच्चा मृत पैदा हुआ है, लेकिन डॉक्टर ने हार नहीं मानी। उसने बच्चे को एक खुरदरे तौलिये से रगड़ा, अपने दोनों हाथों से उसकी छोटी छाती को दबाया और छोड़ा । फिर आख़िरकार उस चोटी से सीने ने एक राहत महसूस की। बच्चा हांफने लगा और रोने लगा. चमत्कारिक ढंग से बच्चा जीवित हो गया।

एंड्रयू ने बच्चे को नर्स को सौंप दिया। वह कमज़ोर और स्तब्ध महसूस कर रहा था। माँ अभी भी एनेस्थीसिया के प्रभाव में थी और बुढ़िया प्रार्थना कर रही थी। एंड्रयू मैनसन बाहर चले गए और जो मॉर्गन को बताया कि उनकी पत्नी और बच्चा दोनों ठीक हैं। जब वह अपने घर की ओर चलने लगा तो लगभग पाँच बज चुके थे। आख़िरकार कुछ वास्तविक करके, वह उपलब्धि की एक महान भावना से भर गया था।